Undergraduate Programme (HINDI) Syllabus, Semester-I		
Session 2026-2027		
Part-A Introduction		
Subject	**HINDI**	
Semester	**I**	
Name of the Course	**हिन्दी भाषा एवं साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)**	
Course Code	01/HIN/MJR/101T	
Course Type:	MJR (Major)	
Level of the course (As per Annexure-I)	100-199	
Pre-requisite for the course (if any)	NA	
Course Learning Outcomes (CLO)	After completing the course: **CLO–1** विद्यार्थी हिन्दी भाषा के उद्भव, विकास (पालि, प्राकृत, अपभ्रंश से खड़ी बोली तक) तथा उसकी संवैधानिक स्थिति का विश्लेषण कर सकेंगे। **CLO -2** साहित्येतिहास लेखन और परंपरा विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, प्रमुख इतिहासकारों जैसे रामचंद्र शुक्ल एवं हजारीप्रसाद द्विवेदी के योगदान का समालोचनात्मक अध्ययन कर सकेंगे। **CLO–3** विद्यार्थी आदिकालीन सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि तथा सिद्ध, नाथ, जैन काव्यधाराओं और उनकी प्रमुख विशेषताओं को समझ सकेंगे। **CLO–4** विद्यार्थी भक्तिकाल की प्रमुख काव्यधाराओं (संत, सूफी, राम एवं कृष्ण भक्ति) तथा उनके साहित्यिक और सामाजिक महत्व का विश्लेषण कर सकेंगे। **CLO–5** विद्यार्थी रीतिकाल की पृष्ठभूमि, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधाराओं तथा उनकी विशेषताओं का मूल्यांकन कर सकेंगे।	
Credits	6	
Toalt Marks	30+120= 150	
Part-B Contents of the Course		
Total lecture per week	6	

Units	**Topics**	**No. of Lecture/Contact Hours**
I	**हिन्दी भाषा** – हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास– पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, पुरानी हिन्दी काव्य भाषा के रूप में अवधि एवं ब्रज का उदय एवं विकास, खड़ी बोली हिन्दी का विकास, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।	18
II	**साहित्येतिहास लेखन और परंपरा**– प्रमुख इतिहास ग्रंथ एवं इतिहासकार, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल एवं आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का योगदान। काल विभाजन एवं नामकरण	18
III	**आदिकाल** – आदिकालीन परिस्थितियाँ– सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, आदिकालीन प्रमुख काव्यधाराएँ –सिद्ध, नाथ एवं जैन, प्रमुख कवि एवं उनके काव्य की विशेषताएँ, प्रमुख रासो काव्य, आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सामान्य विशेषताएँ।	18
IV	**भक्तिकाल-** सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक पृष्ठभूमि, सन्त एवं सूफी काव्य धाराओं की प्रमुख प्रवृतियाँ, विशेषताएँ एवं प्रमुख कवि, राम एवं कृष्ण भक्ति काव्य धारा की प्रमुख काव्य प्रवृतियाँ, विशेषताएँ एवं प्रमुख कवि, भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ।	18
V	**रीतिकाल-** रीतिकाल– सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक पृष्ठभूमि, रीतिबद्ध कवि, रीतिसिद्ध कवि एवं रीतिमुक्त कवि और उनके काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ।	18

Activities

1. समूह चर्चा - हिन्दी भाषा के विकास एवं विभिन्न साहित्यिक कालों की विशेषताओं पर विचार-विमर्श।
2. प्रस्तुतीकरण- विद्यार्थी किसी एक काल/कवि/इतिहासकार पर PPT या मौखिक प्रस्तुति देंगे।
3. पाठ एवं व्याख्या - विभिन्न कालों की काव्य रचनाओं के अंशों का वाचन और विश्लेषण।
4. तुलनात्मक अध्ययन गतिविधि- आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल की विशेषताओं का चार्ट/तालिका बनाकर तुलना।
5. लघु असाइनमेंट/निबंध लेखन & किसी एक विषय (जैसे—भक्तिकाल की विशेषताएँ, हिन्दी भाषा का विकास) पर संक्षिप्त लेख लिखना

Part-C Learning Resources

सहायक पुस्तकं –

1. हिन्दी भाषा का उद्गम एवं विकास – उदय नारायण तिवारी
2. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास- गुलाबराय
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास- रामचन्द्र शुक्ल
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास- संपादक डॉ नगेन्द्र
5. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास- बच्चन सिंह
6. हिन्दी साहित्य की भूमिका- हजारी प्रसाद द्विवेदी
7. हिन्दी साहित्य: उद्भव और विकास- हजारी प्रसाद द्विवेदी
8. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान– नामवर सिंह

पूर्णांक – 120
समय – 3 घण्टे

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

भाग (अ) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 50 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक
भाग (ब) प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित पाँच आलोचनात्मक प्रश्न (कुल पाँच) (शब्द सीमा 550 शब्द) 5 X 20 = 100 अंक
सतत मूल्यांकन – 30 अंक

Undergraduate Programme (HINDI) Syllabus, Semester-I		
Session 2026-2027		
Part-A Introduction		
Subject	**HINDI**	
Semester	**I**	
Name of the Course	**काव्यांग विवेचन**	
Course Code	01/HIN/MJR/102T	
Course Type:	MJR (Major)	
Level of the course (As per Annexure-I)	100-199	
Pre-requisite for the course (if any)	NA	
Course Learning Outcomes (CLO)	After completing the course: **CLO–1** विद्यार्थी काव्य के लक्षण, काव्य हेतु, प्रयोजन तथा काव्य भेदों का सम्यक् ज्ञान प्राप्त कर उनका विश्लेषण कर सकेंगे। **CLO–2** विद्यार्थी रस के स्वरूप, उसके अवयव (स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव, संचारी भाव) तथा रस के भेदों को समझकर उनका प्रयोगात्मक विश्लेषण कर सकेंगे। **CLO–3** विद्यार्थी विभिन्न अलंकारों (अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक आदि) की पहचान कर उनके प्रयोग और प्रभाव का मूल्यांकन कर सकेंगे। **CLO–4** विद्यार्थी विभिन्न छन्दों (दोहा, चौपाई, रोला आदि) की संरचना, मात्राएँ एवं लय को समझकर उनका व्यावहारिक प्रयोग कर सकेंगे। **CLO–5** विद्यार्थी काव्य गुण, दोष तथा शब्द शक्ति के स्वरूप को समझकर काव्य का समालोचनात्मक मूल्यांकन कर सकेंगे।	
Credits	6	
Toalt Marks	30+120= 150	
Part-B Contents of the Course		
Total lecture per week	6	

Units	**Topics**	**No. of Lecture/Contact Hours**
I	काव्य –लक्षण, काव्य हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य भेद।	18
II	रस का स्वरूप, रस के अवयव– स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव, संचारी भाव। रस के भेदों का परिचय।	18
III	अलंकार – सामान्य परिचय, निर्धारित अलंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, भ्रान्तिमान, सन्देह, उत्प्रेक्षा, दृष्टान्त, विरोधाभास, असंगति (कुल 10)	18
IV	छन्द – समान्य परिचय, निर्धारित छन्द– दोहा, सोरठा, चौपाई, रोला, बरवा, मन्दाक्रान्ता, हरिगीतिका, कवित्त (घनाक्षरी), छप्पय, कुण्डलिया (कुल 10)	18
V	काव्य –गुण, काव्य दोष– निर्धारित काव्य दोष– श्रुतिकटुत्व, च्युतसंस्कृति, ग्राम्यत्व, अप्रतीतत्व, क्लिष्टत्व, न्यूनपदत्व, अक्रमत्व, दुष्क्रमत्व (कुल 08) शब्द शक्ति, अर्थ, सामान्य परिचय	18

Activities

1. पाठ एवं विश्लेषण - काव्य अंशों के माध्यम से रस, अलंकार, छन्द आदि की पहचान और व्याख्या।
2. अभ्यास आधारित गतिविधि - विद्यार्थियों से स्वयं अलंकार, छन्द या रस के उदाहरण लिखवाना।
3. समूह चर्चा - काव्य के गुण-दोष, प्रयोजन एवं सौंदर्य तत्वों पर विचार-विमर्श।
4. रचनात्मक लेखन - किसी निश्चित छन्द या अलंकार का प्रयोग करते हुए कविता लिखना।
5. प्रस्तुतीकरण - विद्यार्थी किसी एक काव्य सिद्धांत (जैसे—रस, अलंकार, छन्द) पर प्रस्तुति देंगे।

Part-C Learning Resources

सहायक पुस्तकें–

1. काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र
2. अलंकार पारिजात – नरोत्तम दास स्वामी
3. अलंकार प्रकाश – रामचंद्र वर्मा
4. काव्यांग कौमुदी – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

पूर्णांक – 120
समय – 3 घण्टे

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

भाग (अ) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 50 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक
भाग (ब) प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित पाँच आलोचनात्मक प्रश्न (कुल पाँच) (शब्द सीमा 550 शब्द) 5 X 20 = 100 अंक
सतत मूल्यांकन – 30 अंक

Undergraduate Programme (HINDI) Syllabus, Semester-I		
Session 2026-2027		
Part-A Introduction		
Subject	**HINDI**	
Semester	**I**	
Name of the Course	**हिन्दी साहित्य का इतिहास**	
Course Code	**01/HIN/MNR/101T**	
Course Type:	MNR (Minor)	
Level of the course (As per Annexure-I)	100-199	
Pre-requisite for the course (if any)	NA	
Course Learning Outcomes (CLO)	After completing the course: **CLO–1** विद्यार्थी आदिकाल के काल-विभाजन, नामकरण, सामाजिक-सांस्कृतिक परिस्थितियों तथा सिद्ध, नाथ और जैन काव्यधाराओं की विशेषताओं का विश्लेषण कर सकेंगे। **CLO–2** विद्यार्थी सगुण-निर्गुण भक्ति, प्रमुख कवियों एवं रचनाओं के साथ-साथ रीतिकालीन काव्यधाराओं (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त) की विशेषताओं का अध्ययन कर सकेंगे। **CLO–3** विद्यार्थी 1857 के स्वतंत्रता संग्राम, हिन्दी नवजागरण तथा भारतेन्दु और द्विवेदी युग की काव्य प्रवृत्तियों एवं प्रमुख रचनाकारों का मूल्यांकन कर सकेंगे। **CLO–4** विद्यार्थी छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद एवं नई कविता की प्रवृत्तियों, विशेषताओं तथा प्रमुख कवियों का समालोचनात्मक अध्ययन कर सकेंगे। **CLO–5** विद्यार्थी हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं (नाटक, कहानी, उपन्यास, निबंध, आलोचना, आत्मकथा आदि) के उद्भव, विकास और स्वरूप को समझ सकेंगे।	
Credits	6	
Toalt Marks	30+120= 150	
Part-B Contents of the Course		
Total lecture per week	6	

Units	**Topics**	**No. of Lecture/Contact Hours**
I	**आदिकाल-** काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकालीन परिस्थितियाँ, आदिकालीन प्रमुख काव्यधाराओं (सिद्ध, नाथ एवं जैन) का परिचय एवं वैशिष्ट्य, प्रमुख रासो काव्य– परिचय, विशिष्ट एवं प्रमुख कवि, आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सामान्य विशेषताएँ।	18
II	भक्तिकाल– सामान्य परिचय, सगुण एवं निर्गुण भक्ति– प्रमुख कवि एवं रचनाएँ,प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ। रीतिकाल– सामान्य परिचय, प्रमुख रीतिबद्ध कवि, रीतिसिद्ध कवि एवं रीतिमुक्त कवि और उनके काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ।	18
III	1857 का स्वतंत्रता संग्राम और हिन्दी नवजागरण, भारतेन्दु एवं द्विवेदी युग की काव्य प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ, प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएँ।	18
IV	छायावाद, राष्ट्रीय काव्यधारा, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता – प्रमुख कवि एवं रचनाएँ, काव्य प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ ।	18
V	हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाएँ – नाटक, कहानी, उपन्यास, एकांकी, निबंध, आलोचना, आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण एवं रेखाचित्र का उद्भव और विकास।	18

Activities

1. समूह चर्चा - विभिन्न साहित्यिक कालों और काव्यधाराओं की विशेषताओं पर कक्षा में विचार-विमर्श।
2. प्रस्तुतीकरण - विद्यार्थी किसी एक काल, कवि या गद्य विधा पर PPT/मौखिक प्रस्तुति देंगे।
3. पाठ एवं व्याख्या -प्रमुख कवियों/लेखकों की रचनाओं के अंशों का वाचन और विश्लेषण।
4. तुलनात्मक अध्ययन -छायावाद, प्रगतिवाद, भक्तिकाल आदि की विशेषताओं का चार्ट बनाकर तुलना।
5. लघु निबंध/असाइनमेंट लेखन- किसी एक विषय (जैसे—भक्तिकाल की विशेषताएँ, हिन्दी गद्य का विकास) पर संक्षिप्त लेख लिखना।

Part-C Learning Resources

सहायक पुस्तकें–

1. हिन्दी भाषा का उद्गम एवं विकास – उदय नारायण तिवारी
2. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास- गुलाबराय
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास- रामचन्द्र शुक्ल
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास- संपादक डॉ नगेन्द्र
5. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास- बच्चन सिंह
6. हिन्दी साहित्य की भूमिका- हजारी प्रसाद द्विवेदी
7. हिन्दी साहित्य: उद्भव और विकास- हजारी प्रसाद द्विवेदी
8. हिन्दी साहित्य का गद्य इतिहास – रामचन्द्र तिवारी

पूर्णांक – 120

समय – 3 घण्टे

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

भाग (अ) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 50 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

भाग (ब) प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित पाँच आलोचनात्मक प्रश्न (कुल पाँच) (शब्द सीमा 550 शब्द) 5 X 20 = 100 अंक

सतत मूल्यांकन – 30 अंक

Undergraduate Programme (HINDI) Syllabus, Semester-I

Session 2026-2027

Part-A Introduction

Subject	**HINDI**
Semester	**I**
Name of the Course	**सामान्य हिन्दी**
Course Code	**01/HIN/AEC/101T**
Course Type:	AEC सामान्य हिन्दी
Level of the course (As per Annexure-I)	100-199
Pre-requisite for the course (if any)	NA
Course Learning Outcomes (CLO)	After completing the course: **CLO–1** (ज्ञानात्मक) विद्यार्थी हिन्दी भाषा की मानक वर्णमाला शुद्ध वर्तनी आदि का ज्ञान प्राप्त कर व्यावहारिक प्रयोग कर सकेंगे। **CLO–2** (कौशलात्मक) विद्यार्थी हिन्दी भाषा की शब्द रचना संधि, समास आदि का ज्ञान प्राप्त कर कुशलतापूर्वक प्रयोग करने में सक्षम होगा। **CLO–3**. (तुलनात्मक) विद्यार्थी हिन्दी भाषा की शब्दावली नियमों ,सिद्धांतों आदि का अन्य भाषाओं के साथ तुलना कर सकेंगे। **CLO–4** (सम्प्रेक्षण) हिन्दी भाषा का मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति द्वारा संप्रेक्षण कर सकेंगे। **CLO–5** (अभिवृत्यात्मक) विद्यार्थी हिन्दी भाषा के महत्त्व को समझ कर व्यावहारिक जीवन में हिन्दी व्याकरण के विशुद्ध रूप का प्रयोग करने में अभिवृत्ति एवं अभिरुचि ले सकेंगे।
Credits	4
Toalt Marks	20+80

Part-B Contents of the Course

Total lecture per week	4

Units	**Topics**	**No. of Lecture/Contact Hours**
I	मानक हिन्दी वर्णमाला तथा अंक, वर्णों का वर्गीकरण–भेद, हिन्दी वर्तनी का मानक रूप ।	12
II	सन्धि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय।	12
III	विकारी, अविकारी, लिंग, वचन, कारक, क्रिया भेद, काल।	12
IV	पर्यायवाची, विलोम, अनेकार्थी, शब्द–युग्म, वाक्यांश के लिए एक शब्द, तत्सम–तद्भव ।	12
V	वाक्य, वाक्य शुद्धि, मुहावरे–लोकोक्तियाँ, विराम–चिह्न, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ ।	12

Activities

1. मानक हिन्दी वर्णमाला सही क्रम लिखवाना । शुद्ध वर्तनी का अभ्यास करना।
2. संधि समास से संबंधित शब्दों को पहचानना साथ ही उपसर्ग और प्रत्यय जोड़कर नए शब्द बनाना।
3. वाक्यों में लिंग, वचन, कारक एवं काल को पहचान कर उन्हें सही रूप में बदलना।
4. पर्यायवाची, विलोम, अनेकार्थी शब्द तत्सम–तद्भव शब्दों की सूची बनाकर उनका वाक्यों में प्रयोग करेगा।
5. अशुद्ध वाक्य को शुद्ध करना। सही नियम चिह्न लगाएंगे। मुहावरों और लोकोक्तियों के अर्थ लिखकर उनसे वाक्य बनाएंगे।

Part-C Learning Resources

सहायक पुस्तकें–

1. हिन्दी शब्दानुशासन : किशोरी दास वाजपेयी
2. हिन्दी व्याकरण : कामता प्रसाद गुरु
3. हिन्दी का सामान्य ज्ञान : हरदेव बाहरी
4. आलेख –प्रारूप : शिवनारायण चतुर्वेदी
5. टिप्पणी–प्रारूप : शिवनारायण चतुर्वेदी
6. मानक हिन्दी वर्तनी तथा नागरीलिपि : वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग,नई दिल्ली।

पूर्णांक – 80
समय – 2 घण्टे

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

- प्रत्येक इकाई 16 अंक की होगी– 16X 5= 80 अंक
- प्रत्येक इकाई से एक–एक अंक के 16 और कुल 80 बहुविकल्पात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे– 16X 5= 80

सतत् मूल्यांकन – 20 अंक

Undergraduate Programme (HINDI) Syllabus, Semester-I		
Session 2026-2027		
Part-A Introduction		
Subject	**HINDI**	
Semester	**I**	
Name of the Course	**सृजनात्मक लेखन**	
Course Code	**01/HIN/SEC/101T**	
Course Type:	SEC (Skill)	
Level of the course (As per Annexure-I)	100-199	
Pre-requisite for the course (if any)	NA	
Course Learning Outcomes (CLO)	After completing the course: **CLO–1**.सृजनात्मक लेखन के स्वरूप अर्थ और गुणों को समझकर रचनात्मक अभिव्यक्ति की क्षमता विकसित कर सकेंगे। **CLO–2** सृजनात्मक लेखक में रचना द्वारा व्यक्तित्व निर्माण तथा सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना के महत्त्व को समझ सकेंगे। रचना निर्माण की प्रक्रिया द्वारा प्रभावी लेखन कर सकेंगे। **CLO–3** भाषाई संदर्भ (स्थानीय, वर्ग, व्यवसाय, तकनीकी आदि) के अनुसार भाषा का उपयुक्त प्रयोग कर सकेंगे। **CLO–4** कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी, आत्मकथा, जीवनी, कविता, लघुकथा तथा बाल साहित्य के लेखन की क्षमता विकसित करेंगे। **CLO–5**. जनसंचार माध्यमों (प्रिंट, रेडियो, टेलीविजन, पटकथा) के लेखन की समझ विकसित होगी।	
Credits	3	
Toalt Marks	15+60= 75	
Part-B Contents of the Course		
Total lecture per week	3	
Units	**Topics**	**No. of Lecture/Contact Hours**
I	सृजनात्मक लेखन का स्वरूप – अर्थ एवं गुण, सृजनात्मक लेखन का परिवेश और व्यक्तित्व निर्माण, रचनात्मक लेखन में सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना	9
II	सृजनात्मक लेखन में रचना का निर्माण रचना का आधार, सिद्धांत, उद्धेश्य रचना के कारण एवं वर्तनी की समस्याएँ प्रेरणा के स्रोत	9
III	रचनात्मक लेखन और भाषा– भाषिक संदर्भ : स्थानीय, वर्ग, व्यवसाय, तकनीक के विशेष संदर्भ में। हिन्दी साहित्य में नवाचार, समीक्षा लेखन	9
IV	सृजनात्मक लेखन के विविध आयाम – कहानी एवं उपन्यास लेखन नाटक एवं एकांकी लेखन आत्मकथा एवं जीवनी लेखन कविता लेखन लघुकथा एवं बाल साहित्य लेखन	9
V	जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन – प्रिन्ट माध्यम रेडियों लेखन टेलीविजन लेखन पटकथा लेखन	9
Activities 1. रचनात्मक अभिव्यक्ति का अभ्यास कर अनुच्छेद लिखवाना । 2. विद्यार्थी में कल्पना शक्ति का विकास कर किसी चित्र या स्थिति को देखकर रचना का निर्माण करना। 3. विद्याार्थी स्थानीय, सामाजिक या तकनीकी संदर्भ को ध्यान में रखकर अलग–अलग शैली में लेखन करना। 4. विद्यार्थी समूह बनाकर विविध विधाओं पर लेखन कार्य करना। 5. जनसंचार माध्यमों के लिए संक्षिप्त लेखन का कार्य करेंगे।		
Part-C Learning Resources		
सहायक पुस्तकें– 1. रचनात्मक लेखन : सं.रमेश गौतम, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली 2. सृजनात्मक लेखन : डॉ.राजेन्द्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन 3. कविता रचना प्रक्रिया : कुमार विमल, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादेमी 4. कथा–पटकथा– मन्नू भण्डारी, वाणी प्रकाशन		
पूर्णांक – 60 **समय – 2 घण्टे** **प्रश्न एवं अंक–विभाजन** प्रत्येक इकाई 12 अंक की होगी– 12X 5= 60 अंक प्रत्येक इकाई से एक–एक अंक के 12 और पूरे प्रश्न पत्र से 60 बहुविकल्पात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे–60X 01= 60 सतत् मूल्यांकन – 15 अंक		